REPORT

State level sensitization workshop on Emerging Challenges and Effective Implementation of Policies and Legislation on Tobacco Control – COTPA 2003, PECA (2019) and WHO – FCTC Article 5.3 policy in Uttar Pradesh, India

Date: Wednesday 22nd November 2023

Time: 10:30 am - 03:00 pm

Venue: Regenta Central, Hazratganj, Lucknow

The UP. Voluntary Health Association, a prominent state-level network collaborating with 'The Union' to support the National Tobacco Control Programme in Uttar Pradesh, conducted a comprehensive one-day State Level Sensitization Workshop on the 22nd of November 2023. The workshop, held at Regenta Central Hazratganj, Lucknow, focused on the critical theme of Emerging Challenges and the Effective Implementation of Policies and Legislation on Tobacco Control, with a specific emphasis on COTPA 2003, PECA (2019), and WHO – FCTC Article 5.3 policy in Uttar Pradesh, India.

The primary objective of this workshop was to engage with and seek partnerships from key stakeholders in Uttar Pradesh such as senior government officials, national experts on Emerging Challenges and Effective Implementation of Policies and Legislation on Tobacco Control – COTPA 2003, PECA (2019) and WHO-FCTC Article 5.3 policy in identifying and monitoring increasing Tobacco Industry Interference at national and subnational level, and at the same time mitigating them as an act of violation of the state policy as in November 2019, State Tobacco Control Cell (STCC) and Health Department released the state level policy in line with FCTC Article 5.3 and rules were adopted.

The workshop was graced by the esteemed presence of Dr. Mukesh Matanhelia, State Nodal Officer, National Tobacco Control Programme, Uttar Pradesh, Dr. Alka Sharma,State Nodal Officer, Non-Communicable Disease Programme, Dr. A.K. Srivastava State Nodal Officer, National Mental Health Programme, Mr. Satish Tripathi, State Consultant, National Tobacco Control Programme, Uttar Pradesh, Mr. Ram Shabd Yadav, DSP Crime PHQ, Lucknow, Mr. Hari Govind, SP Training DG Office, Lucknow Uttar Pradesh, Dr. Shivam Kapoor, Technical Advisor, The Union SEAO New Delhi and Mr. Vivek Awasthi, Executive Director U P. Voluntary Health Association, Lucknow.

The workshop included discussion around some important issues and involved making recommendations like requesting various departments to provide cooperation in complying with the state-applicable COTPA-2003, FCTC Article 5.3 of the World Health Organization and PECA-2019. Mr. Satish Tripathi, State Consultant, National Tobacco Control Programme, Uttar Pradesh gave the presentation on National Tobacco Control Programme (NTCP), supportive legislation and policies (COTPA 2003, PECA, 2019, TOFEI, FCTC article 5.3. Dr. Shivam Kapoor, Technical Advisor, The Union gave the detailed presentation on the Tobacco Industry Interference and the challenges, opportunities in implementing Article 5.3 and the role of different department and other state holders in implementation of tobacco control policies.

The participants of the workshop also included, state level officials from different departments such as Health, Education, Police Academy, Excise and tax department, Sport Department, Judicial Academy, Food and Safety Department, Transport and Tourism Department, media personnel. Civil societies were sensitized for need to implement tobacco control polies in the state to save the young generation from ill effect of tobacco use.

The State Level Sensitization Workshop played a crucial role in bringing together stakeholders to address the emerging challenges in tobacco control. The recommendations provided in this report aim to guide future efforts in Uttar Pradesh towards more effective implementation of tobacco control policies, thereby contributing to the overall improvement of public health in the state. Continued collaboration and sustained efforts are essential for creating a tobacco-free environment and safeguarding the health of the population of Uttar Pradesh.

Photographs:

Below are a few news releases from a print media agency regarding the workshop.

राज्य तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं यू0पी0वी0एच0ए0 के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश में तम्बाकू नियंत्रण

लखनऊ। सी0ओ0टी0पी0ए0 -2003, विश्व स्वास्थ्य संगठन के एफ0सी0टी0सी0 अनुच्छेद-5.3 तथा पी0ई0सी0ए0- 2019) के प्रभावी कार्यान्वयन पर राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन तम्बाकू नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य नीतियों पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

आज दिनांक 22 नवम्बर 2023 तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत होटल इंडिया अवध (कपल आर्किड) में राज्य तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं यू0पी0वी0एच0ए0 के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश में तम्बाकू नियंत्रण पर उभरती चुनौतियों और नीतियों और कानूनों (सी0ओ0टी0पी0ए0-2003, विश्व स्वास्थ्य संगठन के एफ0सी0टी0सी0 अनुच्छेद-5.3 तथा पी0ई0सी0ए0-2019) के प्रभावी कार्यान्वयन पर राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन निदेशक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उ0प्र0 की अध्यक्षता में किया गया। तम्बाकू एक ऐसी समस्या है कि जिस पर चौतरफा दृष्टिकोण के साथ कार्य करने से ही सकारात्मक नतीजे प्राप्त हो सकते है। धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों पर जितना गंभीर प्रभाव पड़ता है उतना ही प्रभाव उनके आस पास रहने वाले लोगों पर पड़ता है जिसमें बच्चे व महिलायें भी शामिल हैं।

राज्य नोडल अधिकारी ने बताया कि तम्बाकू किसी भी रूप में हो नुकसानदायक है। तम्बाकू उपभोग करने वाले लोगों में प्रतिरक्षण क्षमता का ह्रास होता है। तम्बाकू उपभोग करने के कारण लगभग 10 लाख लोग प्रतिदिन अपनी जान गवां रहे है, जो कि चिन्तनीय है। तम्बाकू आर्थिक एवं शारीरिक नुकसान पहुंचाती है। तम्बाकू नियंत्रण हेतु प्रदेश लागू सी0ओ0टी0पी0ए0-2003, विश्व स्वास्थ्य संगठन के एफ0सी0टी0सी0 अनुच्छेद-5.3 तथा पी0ई0सी0ए0-2019 इत्यादि अधिनियमों का अनुपालन कराये जाने में सभी विभागों को सहयोग प्रदान किये जाने हेतु अनुरोध किया गया तथा युवाओं/वयस्कों को तम्बाकू उपभोग न शुरू किये जाने पर विशेष जोर दिया गया।

राज्य नोडल अधिकारी, एन0पी-एस0सी0डी0 द्वारा बताया गया कि तम्बाकू एवं असंचारी रोग एक दूसरे के पूरक है। तम्बाकू उत्पाद सभी असंचारी रोगों का एक अहम कारक है। वर्तमान में भारत में होने वाली समस्त मौतोंमें 63 प्रतिशत मृत्यु असंचारी रोगों के कारण हो रही है। अतः तम्बाकू नियंत्रण से हम असंचारी रोगों से होने वाली मृत्यु एवं बीमारी में कमी लाई जा सकती है।राज्य सलाहकार, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम द्वारा बताया गया कि सी0ओ0टी0पी0ए0-2003, विश्व स्वास्थ्य संगठन के एफ0सी0टी0सी0 अनुच्छेद-5.3 तथा पी0ई0सी0ए0-2019 इत्यादि अधिनियमों के बारे में विस्तार से बताया गया। श्री त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि इलेक्ट्रानिक सिगरेट से युवा आये दिन शिकार होते जा रहे, जिस हेतु शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग को विशेष ध्यान देने हेतु जोर दिया गया। डा0 शिवम कपूर तकनीकी सलाहकार दि यूनियन एस0ई0ए0ओ0 न्यू दिल्ली द्वारा बताया गया कि तम्बाकू उद्योग क्या है यह किस प्रकार हमारे समाज के हर हिस्से पर किस प्रकार हस्तक्षेप कर रहा है और हम किस प्रकार युवाओं को इस तम्बाकू उद्योग से बचवा जा सकता है तथा तम्बाकू उद्योगों द्वारा किये जा रहे हस्तक्षेप की किस प्रकार निगरानी की जा सकती है।

विवेक अवस्थी अधिशासी निदेशक यू0पी0वी0एच0ए0 ने बताया कि डब्लू0एच0ओ0 एफ0सी0टी0सी0 के अनुच्छेद 5.3 में सभी पक्षों को तंबाकू नियंत्रण के सम्बन्ध में अपनी सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को निर्धारित और कार्यान्वित करते समय सी0ओ0टी0पी0ए0-2003 के अनुसार अधिकारियों को तंबाकू नियंत्रण हेतु सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को तंबाकू उद्योग के वाणिज्यिक और अन्य निहित स्वार्थों से इन नीतियोंकी रक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग,शिक्षा विभाग, पुलिस अकादमी,उत्पाद शुल्क और कर श्रम और रोजगार,खाद्य और सुरक्षा विभाग, परिवहन एवं पर्यटन विभाग,खेल विभाग, स्वयंसेवी संस्थान इत्यादि के प्रतिनिधि कार्यशाला में मौजूद रहे।

विचार
नवभारत टाइम्स
नवभारत टाइम्स। कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित)। गुरुवार, 23 नवंबर 2023

'एक रुपये में केसर नहीं कैंसर खरीद रहे हैं'

■ एनबीटी, लखनऊ: एक रुपये में लोगों को केसर के नाम पर कैंसर परोसा जा रहा है। यह बात बुधवार को एनटीपीसी के राज्य सलाहकार सतीश त्रिपाठी ने कही। वह तंबाकू नियंत्रण कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि कोई भी दुकानदार तंबाकू का प्रचार प्रसार करता मिले तो एक हजार रुपये जुर्माना लगाया जाता है। इसे और बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। तकनीकी सलाहकार डॉ. शिवम कपूर ने बताया कि तंबाकू कंपनियां किस प्रकार प्रचार के तरीके खोजती हैं इसकी भी निगरानी विभाग द्वारा की जाती है।

लखनऊ
गुरुवार
23 नवंबर 2023
लाइव हिन्दुस्तान

तंबाकू से तौबा करें लोग इम्यूनिटी हो रही कमजोर

■ तम्बाकू नियंत्रण पर उभरती चुनौतियों और कानूनों पर कार्यशाला

लखनऊ, संवाददाता। तम्बाकू का किसी भी रूप में उपयोग नुकसानदायक है। इसके सेवन से लोगों में प्रतिरक्षण क्षमता कमजोर होती है। तम्बाकू से हर रोज करीब 10 लाख लोग जान गंवा रहे हैं। तम्बाकू से शारीरिक और आर्थिक नुकसान होता है। इसके बावजूद लोग इसका सेवन कर रहे हैं।

यह बातें बुधवार को हजरतगंज के एक होटल में राज्य तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं यूपीवीएचए की ओर से प्रदेश में तम्बाकू नियंत्रण पर उभरती चुनौतियों और नीतियों और कानूनों विषयक कार्यशाला में राज्य नोडल अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि तम्बाकू एवं असंचारी रोग एक दूसरे के पूरक है। देश में होने वाली मौतों में 63 फीसदी मृत्यु असंचारी रोगों से हो रही हैं। तम्बाकू पर रोक से कैंसर समेत दूसरी बीमारियों व मौत पर अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से तम्बाकू छोड़ने की अपील की। कार्यशाला में द यूनियन एसईएओ के तकनीकी सलाहाकार डॉ. शिवम कूपर व यूपीवीएचए के अधिषाशी निदेशक विवेक अवस्थी समेत स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस ,उत्पाद शुल्क समेत कई विभाग के अफसरों ने विचार रखे।

amarujala.com
अमर उजाला
लखनऊ | बृहस्पतिवार, 23 नवंबर 2023 | 13

तंबाकू से रोजाना 10 लाख की जाती है जान

लखनऊ। तंबाकू गैरसंचारी रोगों का सबसे बड़ा कारण है। इसकी वजह से रोजाना करीब दस लाख लोगों की जान जाती है। वालंटरी हेल्थ एसोसिएशन के निदेशक विवेक अवस्थी ने बुधवार को होटल में आयोजित कार्यक्रम में ये बातें कहीं। कार्यक्रम का आयोजन वालंटरी हेल्थ एसोसिएशन के साथ राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के सहयोग से किया गया। इस मौके पर डॉ. शिवम कपूर आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)